SHRI NARESH GUJRAL: I am coming to my question, Sir. The Finance Minister had announced that certain concrete measures will be announced very soon by the Ministry of Commerce. My question is: will the medicine be prescribed after the patient is dead? India is losing market share and we all know that once market share is lost, we cannot regain it.

SHRI ANAND SHARMA: Sir, I share the hon. Member's concern about the adverse impact on some of the labour incentive sectors. On an earlier occasion, I had informed the House that some of the labour intensive sectors had been hit very hard, particularly the gems and jewellery sector, handicrafts, handlooms and the labour sector. Therefore, two stimulus packages were made. It is not that the Government has not been responding. I do not share that perception because if you look at the quantum of the stimulus packages — it is three and a half per cent of the GDP of this country — incentives, which have been given to the exporters, including availability of credit, RBI giving an additional 5,000 crores of rupees to the Exim Bank, interest subvention and all those measures which are there both in the Budget and the two packages earlier, including the DEPB schemes, concessions with regard to service tax. So, we are cutting down on the transaction cost. We have had discussions, which the hon. Member himself is aware of, with all the stakeholders, particularly the Chambers of Commerce and Industry and all the Export Councils. We have taken presentations of every Council separately in addition to the combined presentations which the industry has made to look at the areas which need urgent attention. The Government also has constraints of the resources, and that is why I referred earlier that before we come out with a new trade policy, we would be discussing the same with the Finance Minister.

When it comes to the readymade garments, which the hon. Member referred to, there is a growth in exports, in fact, of 3.75 per cent. And, there is a special concession which has already been given, that is, 2 per cent duty script allowed for exports to the USA and the EU on the readymade garments. So, we are looking at sector specific situation.

I may also mention, Sir, that we are also concerned about the employment situation, which we are monitoring closely. Many studies have come up and, fortunately, that sharp fall in exports has been arrested and the measures are being put in place to ensure that we can cushion this hard blow of the global turn down.

उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना संबंधी मानदण्ड

*364. **श्री अनुसुइया उइके** : क्या **सड़क परिवहन और राजमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम चतुर्भुज परियोजनाओं के मानदण्डों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस मार्ग का निर्माण केवल निर्धारित मानदण्डों के अनुसार ही किया जा रहा है; और

(ग) इस मार्ग का निर्माण नागपुर-छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर के बजाय वाया नागपुर-सिवनी-नरसिंहपुर करने पर लागत में कितना अन्तर आता है?

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री (श्री कमल नाथ): (क) और (ख) चार महानगरों अर्थात् दिल्ली, कोलकाता, चेन्नै और मुंबई को जोड़ने वाले स्वर्णिम चतुर्भुज; श्रीनगर और सलेम-कोच्ची के स्पर के साथ कन्याकुमारी को जोड़ने वाले उत्तर-दक्षिण महामार्ग और पोरबंदर और सिलचर को जोड़ने वाले पूर्व-पश्चिम महामार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ 4/6 लेन का बनाया जा रहा है। यह निर्माण कार्य, निर्धारित मानदण्डों के अनुसार किया जा रहा है।

(ग) दोनों मार्गों की लंबाई लगभग एक जैसी है। तथापि, उत्तर-दक्षिण महामार्ग के नागपुर-सिवनी-नरसिंहपुर से गुजरने वाला मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग है जबकि नागपुर-छिंदवाड़ा-नरसिंहपुर से गुजरने वाला मार्ग इस समय राज्यीय राजमार्ग है।

Criteria for NS and EW Golden Quadrilateral projects

†*364. MISS ANUSUIYA UIKEY: Will the Minister of ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS be pleased to state:

(a) the details of criteria for North-South and East-West Golden Quadrilateral projects;

(b) whether this route is being constructed as per prescribed criteria only; and

(c) the difference between the construction of this route *via* Nagpur-Sivani-Narsinghpur *vis-a-vis* Nagpur-Chhindwara-Narsinghpur?

THE MINISTER OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS (SHRI KAMAL NATH): (a) and (b) Golden Quadrilateral connecting four Metros namely, Delhi, Kolkata, Chennai and Mumbai; North South Corridor connecting Srinagar and Kanyakumari with a Salem-Kochi spur and East West corridor connecting Porbandar and Silchar are being developed to four/six lane along the National Highways. Construction is being carried out as per prescribed criteria.

(c) The length of both routes is almost same. However, the route through Nagpur-Seoni-Narsinghpur of North-South Corridor is National Highway whereas the route through Nagpur-Chhindwara-Narsinghpur is presently State Highway.

सुश्री अनुसुइया उइके : सभापति जी, हमारे इस विभाग के माननीय कैबिनेट मंत्री जी, मध्य प्रदेश के छिन्दवाड़ा जिले के सांसद हैं और मेरा गृह जिला भी छिन्दवाड़ा है। मुझे खुशी होगी यदि छिन्दवाड़ा जिले की जो सड़क है, उसे आप स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजन से जोड़ सकें। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहती हूं कि इन्होंने अपने उत्तर में कहा है कि उत्तर-दक्षिण महामार्ग के नागपुर-सिवनी-नरसिंहपुर से गुजरने वाला मार्ग, राष्ट्रीय राजमार्ग है, जब कि नागपुर-छिन्दवाड़ा-नरसिंहपुर से गुजरने वाला मार्ग इस समय राज्यीय राजमार्ग है। विगत दिनों माननीय मंत्री जी छिन्दवाड़ा के प्रवास में आए हुए थे और उन्होंने ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप प्रश्न पूछ लीजिए।

सुश्री अनुसुइया उइके : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि क्या स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना के अंतर्गत इस मार्ग को सिवनी के बदले, परिवर्तित करके नागपुर-छिन्दवाड़ा-नरसिंहपुर से करने अथवा नागपुर-छिन्दवाड़ा-नरसिंहपुर मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग में परिवर्तित करने की घोषणा की गई थी?

श्री कमल नाथ : मुझे खुशी है कि छिन्दवाड़ा के विकास और प्रगति के बारे में माननीय सदस्या ने प्रश्न पूछा है, मुझे और भी खुशी होगी यदि सप्लीमेंटरी प्रश्नों के रूप में दूसरे सदस्य भी छिन्दवाड़ा के विकास और प्रगति के बारे

†Original notice of the question was received in Hindi.

में प्रश्न पूछेंगे और मैं बड़ी खुशी से उनका जवाब दूंगा, क्योंकि मैंने लगभग 30 सालों तक इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है।

सभापति जी, जहां तक सड़क की बात है, लगभग 6-7 साल पहले जब यह तय हुआ था कि नरसिंहपुर से यह सड़क छिन्दवाड़ा होकर जाएगी या सिवनी होकर जाएगी, उस समय मैंने यह बात उठाई थी और मैंने यह प्रयास किया था कि उचित होगा कि यह सड़क छिन्दवाड़ा से जाए, लेकिन उस समय पता नहीं क्यों, मुझे यह बताया गया कि चूंकि यह नेशनल हाईवे नहीं है, इसलिए यह सड़क छिन्दवाड़ा से नहीं जा सकती।

यह सड़क शुरू में ही छिन्दवाड़ा से होकर जाना ज्यादा उचित था, पर उस समय यानी सात साल पहले फैसला हुआ कि यह सड़क जबलपुर और सिवनी होकर जाएगी। मैं समय-समय पर यानी तीन साल पहले, दो साल पहले यह बात उठाता रहा कि इस सड़क को रोकना चाहिए और यह सड़क छिन्दवाड़ा से होकर जानी चाहिए। अब सड़क काफी आगे बढ़ गई है और इसमें एक समस्या यह उठी है कि इसके बीच में पेंच नेशनल पार्क आ रहा है। इसके कारण कुछ रोक-टोक सुप्रीम कोर्ट से भी लगी है, क्योंकि यह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। Environmentalist NGO ने यह मामला उठाया है। पर, मुझे माननीय सदस्या को यह जानकारी देते हुए खुशी है कि मैंने मध्य प्रदेश सरकार से आग्रह किया था और उन्होंने इसको स्वीकार किया। उन्होंने यह स्वीकार किया कि केन्द्र सरकार इसे नेशनल हाईवे घोषित कर दे। नरसिंहपुर-अमरवाड़ा-हरई, जो शायद आपका जन्मस्थान भी है। मैंने मुख्यमंत्री जी से निवेदन किया था कि इसे नेशनल हाइवे घोषित करने की हमें स्वीकृति दे। उन्होंने यह स्वीकृति दे दी है, तो नरसिंहपुर-हरई-अमरवाड़ा-छिन्दवाड़ा-नागपुर की सड़क नेशनल हाईवे घोषित हो जाएगी। मुझे माननीय सदस्या को यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि जब यह घोषित हो जाएगी, तो इसको प्राथमिकता अवश्य मिलेगी।

सुश्री अनुसुइया उइके : महोदय, माननीय मंत्री जी ने मेरे प्रश्न का जो उत्तर दिया और आपने जो आश्वासन दिया, इसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। साथ ही मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या पेंच नेशनल पार्क, मोगली पेंच अभ्यारण्य से गुजरने के कारण, जब इस मार्ग पर वाहनों की आवा-जाही बढ़ेगी, तब अभ्यारण्य के पर्यावरण और जानवरों पर क्या इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा? यदि हां, तो इसकी रोकथाम के लिए आपके द्वारा क्या प्रावधान किए जाएंगे?

श्री कमल नाथ : सर, इसके लिए एक समिति बनाई गई है। मैंने कहा कि जो सड़क सिवनी से नागपुर जाती है, वह पेंच नेशनल पार्क के एक हिस्से से गुजरती है और इसमें सुप्रीम कोर्ट ने एक समिति बनाई है। समिति को इस पर अपनी राय देनी है। उन्होंने अपनी राय सुप्रीम कोर्ट को दी है। रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश होगा, उसका पालन किया जाएगा। पर, मैं यह भी आश्वासन देना चाहता हूं कि सिवनी से नागपुर की जो सड़क है, उसमें हमारा यह प्रयास रहेगा कि हम इसे complete करें, ताकि सिवनी के लोग यह न समझें कि छिन्दवाड़ा के कारण हम यह सड़क divert कर रहे हैं।

SARDAR TARLOCHAN SINGH: Sir, this is also connected with Question No.362. मैं माननीय मंत्री जी से बहुत ही simple और important सवाल करना चाहता हूं कि जो दिल्ली-आगरा नेशनल हाई-वे है और आगरा हमारा destination है।

श्री सभापति : नहीं, नहीं, आप इस सवाल पर पूछिए।

सरदार तरलोचन सिंह : सर, यह भी इस सवाल के साथ है, क्योंकि यह भी नेशनल हाईवे का हिस्सा है। यह दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर incognito जाकर देखें कि दिल्ली से आगरा जाने में कितने घंटे लगते हैं।

कॉमनवेल्थ गेम आने वाली है और यह हमारा destination है। दूसरी रोड दिल्ली-अमृतसर की है, इन दोनों रोड पर हम दिल्ली से बाहर निकल ही नहीं पाते हैं। माननीय मंत्री महोदय यह बता दें कि इसमें कितना समय लगेगा? मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी एक बार लाहौर-इस्लामाबाद रोड देखें कि क्या ऐसी हम भी dream कर सकते हैं?

श्री कमल नाथ : सर, माननीय सदस्य ने दिल्ली-आगरा के बारे में पूछा है, जब कि सवाल छिन्दवाड़ा पर है। फिर भी मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूं कि यह दिल्ली-आगरा सड़क, जो फेज-5 में है, की six laning की योजना बनी हुई है और यह इसी साल में काम शुरू करने के लिए award होना है।

श्री ईश्वर सिंह : सर, मैंने पिछले सप्ताह भी एक प्रश्न पूछा था और आपके माध्यम से आज फिर मैं यह जानना चाहता हूं कि जब से (यानी 15 साल से) जीटी रोड four lane बनी है, उसमें जो भूमिगत रास्ता है, जिसको subway कहते हैं, उसमें बजट लगा है, यह बनकर तैयार भी है और 15 साल से वह रास्ता बंद पड़ा है। मैंने पिछले सप्ताह भी यह प्रश्न पूछा था, लेकिन माननीय मंत्री जी ने उसका कुछ उत्तर नहीं दिया। वहां पर गांव के लोगों को एक खेत से दूसरे खेत में जाने के लिए दस-दस मिनट रुकना पड़ता है, क्योंकि गांवों का आदमी सड़क क्रॉस नहीं कर सकता है और वह भूमिगत रास्ता बंद है।

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए।

श्री ईश्वर सिंह : सर, मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि उसको खोलने में क्या दिक्कत आ रही है और वह इसको कब खोलेंगे?

श्री कमल नाथ : सर, माननीय सदस्य अगर मुझे यह पत्र भेज देंगे तो मैं जवाब दे दूंगा।

श्री कलराज मिश्र : सभापति महोदय, मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जो स्वर्णिम चतुर्भुज सड़क है, इसके बारे में आपकी वार्षिक रिपोर्ट में भी जानकारी दी गई है कि 98 फीसदी तैयार हो गई है और दो फीसदी काम अभी बाकी है। उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम के संबंध में जैसा आपने अभी कहा है कि चार 6 लेन की सड़कें बनाई जा रही हैं, इसके बारे में अभी काफी अवशेष है। मेरा प्रश्न है कि ये दोनों सड़कें कब तक बनकर तैयार हो जाएंगी और क्या इसकी कोई समयबद्धता है?

श्री आर.पी.एन. सिंह : सर, जो Golden Quadrilateral है, वह लगभग 99 परसेंट तैयार है और 100 किलोमीटर के लगभग उसमें काम बाकी है। उस पर लगातार काम चल रहा है और शीघ्र ही इसको समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। जहां तक ईस्ट-वेस्ट और नॉथ-साउथ का सवाल है ...(**व्यवधान**)...

श्री कलराज मिश्र : थोड़ा सा समय अधिक करके बताएं लेकिन अगर बता दें कि इस समय तक तैयार हो जाएगा, तो ज्यादा बेहतर होगा।

श्री आर.पी.एन. सिंह : उसमें काम चल रहा है। मैं आपको लिखित में सब कुछ बता दूंगा, क्योंकि काम patches में चल रहा है, सारा एक ही प्रोजेक्ट नहीं है। बाकी में पचास फीसदी काम समाप्त हो चुका है और पचास फीसदी में काम चल रहा है। ...(**व्यवधान**)... ईस्ट-वेस्ट और नॉर्थ-साउथ में पचास फीसदी काम पूरा हो चुका है और बाकी जो पचास फीसदी काम है, उसमें भी काम चल रहा है। मैं प्रोजेक्ट वाइज़ जानकारी आपको दे दूंगा।

श्री रघुनन्दन शर्मा : समयबद्धता की बात हुई है।

श्री आर.पी.एन. सिंह : जो पचास फीसदी काम बाकी है, उसके बारे में मैं आपको प्रोजेक्ट वाइज़ बता दूंगा कि कौन-कौन सी सड़क का काम किया किस समय समाप्त होगा।